तापमान
अधिकतम 38 .4 डिग्री
न्यूनतम 22 .1 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 27 जून 2025

13 मांगों को लेकर मिड डे मिल वर्कर्स ने की नारेबाजी

14 माता परमेश्वरी देवी जी को दी श्रद्धांजलि

खबर संक्षेप

निंदाना में कब्जे हटवाने को इयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

रोहतक। जिलाधीश धर्मेंद्र सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला की महम तहसील के गांव निंदाना में चकबंदी के उपरांत कब्जा कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए है।
जिलाधीश द्वारा जारी आदेश के तहत 26 से 28 जून तक सांपला के नायब तहसीलदार जितेंद्र, 29 जून से एक जुलाई तक रोहतक के नायब तहसीलदार दीपक, 2 से 4 जुलाई तक महम के नायब तहसीलदार राहुल बूरा तथा 5 से 8 जुलाई 2025 तक लाखनमाजरा के नायब तहसीलदार प्रदीप अहलावत को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

उपायुक्त आज सीसर खास में समस्याएं सुनेंगे

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत 27 जून को महम खंड के गांव सीसर खास में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नरेंद्र कुमार ने बताया कि शुक्रवार को सांय 5 बजे रात्रि ठहराव कार्यक्रम में उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ग्रामीणों की शिकायतें सुनेंगे तथा इन शिकायतों के निपटारे के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश देंगे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान गांव की सामूहिक समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा। विभिन्न विभागों द्वारा 27 जून को सीसर खास गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित होने वाले रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान स्टॉल लगाकर पात्र ग्रामीणों को मौके पर योजनाओं व सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से मित्रता न करें

रोहतक। आज के समय में हर व्यक्ति मोबाइल, इंटरनेट तथा सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है और वह अपना हर काम ऑनलाइन के माध्यम से कर रहे है। परंतु कुछ साइबर क्रिमिनल जो इंटरनेट पर लोगों को वेबकूफ बनाकर उनके साथ धोखाधड़ी कर ठगी करने की वारदात को अंजाम देते है। ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहनें की आवश्यकता है। यह बात एसपी नरेंद्र बिजराणिया ने एडवाइजरी जारी करते हुए कही। उन्होंने बताया कि कुछ साइबर क्रिमनल खुद को विदेशी बताकर सोशल मीडिया पर खुद की अच्छी जॉब या खुद को अच्छा बिजनेसमैन बताकर दोस्ती करते है। जिससे कुछ लोग उनकी बातों में आकर उनके साथ दोस्ती कर लेते है।

163 पेड़ों की कटाई के बाद अब 7.74 करोड़ की परियोजना को मिल सकती है पीडब्ल्यूडी की मंजूरी

- रोहतक डिपो में फिलहाल 5 इलेक्ट्रिक एसी बसें चल रही
- सरकार से डिपो को जल्द ही दस नई एसी बसें मिलने की उम्मीद
- पेड़ काटने का पर्यावरण प्रेमी व विभिन्न संगठन कर रहे थे विरोध
- विरोध के चलते परियोजना में लगातार हो रही थी देरी
- इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग स्टेशन बनने और नई बसें मिलने से शहर होगा जाम से मुक्त
- शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा

शहर के नए बस स्टैंड पर बनेगा इलेक्ट्रिक बसों का चार्जिंग स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहरवासियों के लिए सार्वजनिक परिवहन को सुगम और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल होने जा रही है। रोहतक के न्यू बस स्टैंड पर अब इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाने की तैयारी फिर से शुरू कर दी गई है। इस परियोजना की लागत लगभग 7 करोड़ 74 लाख रुपये बताई जा रही है और इसका प्रस्ताव चंडीगढ़ स्थित पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा भेजा गया है। अब मुख्यालय से स्वीकृति मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए पहले ही 163 पेड़ों की कटाई की जा चुकी है, जिसे लेकर विभिन्न यूनियनों और पर्यावरण प्रेमियों ने तीखा विरोध दर्ज कराया था। विरोध के चलते यह परियोजना लंबे समय तक ठंडे बस्ते में चली गई थी। लेकिन अब एक बार फिर से पीडब्ल्यूडी विभाग ने इस कार्य को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उठाई है। रोहतक डिपो में फिलहाल 5 इलेक्ट्रिक एसी बसें पहले से ही संचालित हो रही हैं। साथ ही जल्द ही डिपो को 10 नई एसी इलेक्ट्रिक बसें और मिलने की उम्मीद है। इसके लिए चार्जिंग स्टेशन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, ताकि बसों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

50 बसें दिसंबर 2024 में मिलनी थीं, रूट भी तय हो चुके थे

दिसंबर 2024 में डिपो को 50 इलेक्ट्रिक बसें मिलने वाली थीं और उनके रूट भी तय कर दिए गए थे। लेकिन चार्जिंग स्टेशन न होने और प्रशासनिक असहमति के कारण यह मामला भी ठंडे बस्ते में चला गया। यदि ये बसें समय पर मिल जातीं, तो शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में बड़ा सुधार हो सकता था।परियोजना के शुरू होते ही शहरवासियों को ऑटो रिक्शा की तुलना में सस्ता सफर करने का विकल्प मिल सकेगा। अभी शहर में ऑटो से एक ओर का सफर 20 रुपये तक पड़ता है, लेकिन इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से यही सफर 10 रुपये में पूरा किया जा सकेगा। इससे न केवल आमजन को आर्थिक राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण में भी कमी आएगी।

हालांकि यह परियोजना भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अत्यंत आवश्यक मानी जा रही है, लेकिन 163 पेड़ों की कटाई से पर्यावरणीय संतुलन पर भी सवाल उठे हैं। शहर के कई सामाजिक संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों ने मांग की है कि इसके बदले पर्याप्त संख्या में नए पेड़ लगाए जाएं, ताकि हरियाली बनी रहे।

जल्द मिल सकती है स्वीकृति

पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा तैयार किया गया प्रस्ताव अब मुख्यालय में मंजूरी की प्रक्रिया में है। जैसे ही मंजूरी मिलती है, चार्जिंग स्टेशन निर्माण का काम शुरू हो जाएगा। इससे न केवल शहर की परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि हरियाणा के अन्य शहरों के लिए भी यह एक मिसाल बन सकता है।

परियोजना के लिए लेंगे नया बिजली कनेक्शन

पीडब्ल्यूडी अब इस काम को देखेगा, और स्टेशन के बनाने की प्रक्रिया को मंजूरी के बाद निर्माण कार्य भी शुरू करेगा। यह अब निजी कंपनी के द्वारा नहीं करवाया जाएगा। इसके लिए जल्द ही बिजली कनेक्शन भी लिया जाएगा। प्रस्ताव के मंजूरी होने का इंतजार किया जा रहा है। ताकि इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द शुरू किया जा सकें।

-सुरेंद्र सिवाच, वर्कशाप मैनेजर, रोडवेज

युवा नशे के खिलाफ समाज को जागरूक करें : उपायुक्त

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने जिला वासियों से नशामुक्त समाज व प्रदेश के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया है। प्रत्येक नागरिक को नशे पर अंकुश के

प्रयासों को गति देने में सहयोग करना होगा। अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर नशे को ना समिति द्वारा चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान के तहत अपने कार्यालय में हस्ताक्षर करते हुए उन्होंने कहा कि हर साल 26 जून को नशा निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को नशे की लत से होने वाले खतरों के बारे में बताना है। साथ ही अवैध दवा व्यापार के जोखिमों के बारे में भी जागरूक करना है। समिति की अध्यक्ष स्वीटी मलिक द्वारा चलाए जा रहे नशा के खिलाफ अभियान की सराहना करते हुए उपायुक्त ने कहा कि नशा निरोधक अभियान में जिला प्रशासन का भरपूर सहयोग रहेगा। उन्होंने आमजन से नशे के खिलाफ जागरूकता की अपील की है।

साइकलिस्ट स्वीटी मलिक को सराहा

उल्लेखनीय की साइकलिस्ट स्वीटी मलिक पिछले कई वर्षों से नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए हुए हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी हस्ताक्षर करके उनके अभियान को प्रोत्साहित किया है। इस अवसर पर स्वीटी मलिक के पत्नी रविंद्र मलिक के अलावा रोहित कुमार व संजीव कुमार भी मौजूद रहे।

दुकानदानों ने एसडीएम को बताई समस्याएं

महम। व्यापार मंडल महम के प्रधान जोगिंद्र गिरोत्रा की अगुवाई में कस्बा महम के व्यापारियों और दुकानदारों का एक प्रतिनिधिमंडल एसडीएम मुकुंद से मिला। इस दौरान दुकानदारों ने एसडीएम से शहर में व्याप्त समस्याएं बताई। दुकानदारों ने बताया कि शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। शहर में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति नहीं की जा रही। गंदा और बदबूदार पानी शहर में सप्लाई होता है। पेयजल की आपूर्ति नियमित रूप से भी नहीं की जाती। कई दिन के अंतराल के बाद ही जनस्वास्थ्य विभाग पेयजल आपूर्ति करता है। बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की भी दुकानदारों ने एसडीएम से मांग की। शहर की गलियों और चौक चौराहों पर आवागमन को लेकर आ रही समस्या को लेकर भी एसडीएम के साथ व्यापारियों ने चर्चा की। एसडीएम ने व्यापारियों व दुकानदारों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान का आश्वासन दिया। वहीं व्यापार मंडल सदस्यों ने भी एसडीएम को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

एमडीयू में पीजी, एलएलबी और बीपीएड पाठ्यक्रमों में एडमिशन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 30 तक आवेदन

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातकोत्तर (पीजी), एलएलबी ऑनर्स और बीपीएड पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इन पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून तक बढ़ा दी है। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अब 30 जून तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। एमडीयू के विभिन्न शिक्षण विभागों में संचालित पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में सीटें उपलब्ध हैं। प्रमुख पाठ्यक्रमों में एमए एजुकेशन (30), एमएड (50), एमपीएड (40), बीपीएड (100), एमए अंग्रेजी और हिन्दी (60-60), पत्रकारिता एवं जनसंचार (40), संस्कृत (75), संगीत वोकल और इंस्ट्रूमेंटल (15-15), योगा साइंस (50), डिफेंस एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज (50), इकोनॉमिक्स (60), हिस्ट्री (70), पॉलिटिकल साइंस (60), साइकोलॉजी (40), लोक प्रशासन और सोशियोलॉजी (50-50), फोरेंसिक साइंस (25), एलएलबी ऑनर्स तीन वर्षीय (120), एलएलएम (90) सीटें शामिल हैं।

विभिन्न विभागों में सीटों का ब्योरा

विज्ञान, तकनीकी और वाणिज्य क्षेत्र के पाठ्यक्रमों में भी सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें एमएससी कैमिस्ट्री (90), एमएससी फिजिक्स (60), स्टैटिस्टिक्स (50), बायोटेक्नोलॉजी, जेनेटिक्स, बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, जूलोजी, फूड टेक्नोलॉजी जैसे विषयों में 20 से 40 तक सीटें हैं। एमबीए में 180, एम.कॉम में 60, एमसीए में 60 सीटें, और कंप्यूटर साइंस से जुड़े कोर्सेस जैसे एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमटेक कंप्यूटर साइंस, एमटेक एआई एवं एमएल, डाटा साइंस एंड मशीन लर्निंग में भी सीटें उपलब्ध हैं।

नगर निगम का अतिक्रमणकारियों पर बड़ा एक्शन, शहर में कई क्षेत्रों से हटवाए कब्जे

■ टीम ने शेड, बोर्ड, तख्त, तिरपाल, कुर्सियां, मेज व अन्य सामान किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नगर निगम ने शहर में फैलते अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए वीरवार को एक बड़ा अभियान चलाया। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम की एन्फोर्समेंट टीम को निर्देश दिए गए हैं कि अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ नियमों के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। अभियान के तहत नगर निगम की टीम ने सेक्टर-14 मार्केट, गोहाना रोड, गोहाना अड्डा, अम्बेडकर चौक, अशोका चौक, मेडिकल मोड़, पावर हाउस चौक, दिल्ली बाईपास और खेड़ी साध जैसे क्षेत्रों में अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान दुकानदारों के शेड, बोर्ड, तख्त, तिरपाल, कुर्सियां, मेज आदि सामान को जब्त किया गया। निगम ने पहले ही इन स्थानों पर अतिक्रमण करने वालों से स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील की थी। चेतावनी के बावजूद अतिक्रमण न हटाने पर निगम ने यह कार्रवाई की।

- सेक्टर-14 मार्केट, गोहाना रोड, गोहाना अड्डा सहित कई अन्य जगह अभियान चला

आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने पुन नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें, अन्यथा निगम द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी और होने वाले नुकसान के लिए स्वयं अतिक्रमणकर्ता जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण से न केवल शहर की यातायात व्यवस्था बाधित होती है, बल्कि आमजन को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ऐसे चला अभियान

haribhoomi.com
हरिभूमि बालभूमि
रोहतक, शुक्रवार 27 जून 2025
12
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

अनोखे पक्षी / रजनी अरोड़ा

बच्चो, तुमने आसमान में उड़ते हुए छोटे-बड़े कई तरह के पक्षी देखे होंगे। छोटे पक्षी तो फुर्र-फुर्र आसानी से इधर-उधर उड़ लेते हैं। लेकिन दुनिया में कई बड़े आकार के भी ऐसे पक्षी हैं, जो बहुत तेज गति से उड़ते हैं और लंबी दूरियां तय करते हैं। यहां हम तुम्हें कुछ बहुत ही तेज गति से उड़ने वाले बिग बड्र्स के बारे में बता रहे हैं।

तेज गति से उड़ने वाले बिग बड्र्स

स्पर-विंग गूस

इसे दुनिया के सबसे बड़े हंस प्रजाति के पक्षी रूप में जाना जाता है। एडल्ट स्पर-विंग गूस, लगभग 75 सेंटीमीटर लंबा और 4.8 किग्रा वजन का होता है। 142 किमी या 88 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ने की क्षमता के कारण इसकी गिनती दुनिया की सबसे तेज उड़ने वाले पक्षियों में होती है। यह मुख्यतः उप सहारा अफ्रीका के झीलों, नदियों के पास जमीन पर बनाए घोंसलों में रहते हैं। *

पिनटेल डक

इस पक्षी के पूंछ के पंख सिरे पर पिन की तरह लंबे और पतले होते हैं, इसीलिए इसे 'प्वॉइंटी डक' भी कहा जाता है। पिनटेल डक के पंखों का फैलाव 23.28 सेंटीमीटर तक हो सकता है। यह 105 किमी या 65 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकते हैं। ये यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका के देशों में बड़ी तादाद में पाए जाते हैं। *

ऐडर डक

बड़े आकार के समुद्री बत्तखों में ऐडर डक को भी शामिल करते हैं। ये डक 50 सेंटीमीटर से भी अधिक लंबे हो सकते हैं और 113 किमी या 70 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकते हैं। ऐडर डक मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका, उत्तरी यूरोप और पूर्वी साइबेरिया के उत्तरी भाग में पाए जाते हैं। *

स्पाइन-टेल्ड स्विफ्ट

171 किलोमीटर (105 मील) प्रति घंटा की स्पीड से उड़ान भरने वाले स्पाइन-टेल्ड स्विफ्ट, दुनिया की सबसे तेज उड़ने वाली बड्र्स में से एक है। काले रंग के स्विफ्ट बर्ड के गले पर सफेद रंग के बाल होते हैं, इसलिए इसे 'व्हाइट थ्रोटेड नीडल टेल' के नाम से भी जाना जाता है। ये पक्षी मध्य एशिया, साइबेरिया, पूर्वी और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं। जमीन पर उतरने के बजाय ये अपना अधिकांश जीवन उड़ते हुए और पहाड़ों पर बनाए अपने घोंसले में बिताते हैं। ये आसमान में उड़ने वाली छोटी बड्र्स और कीड़े खाते हैं। *

फ्रिगेट बर्ड

समुद्री जीवों में फ्रेगाटा परिवार की पांच प्रजातियों में से एक है फ्रिगेट बर्ड। ये पक्षी 153 किमी (95 मील) प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकते हैं। ये आकार में काफी बड़े होते हैं, जिससे ये न तो पानी में आसानी से तैर पाते हैं और न ही जमीन पर चल पाते हैं। लेकिन ये बहुत तेजी से समुद्र में डाइव लगाकर मछलियों, जेली फिश, स्क्विड जैसे समुद्री जंतुओं का शिकार कर लेते हैं। नर फ्रिगेट पक्षी के गले में लाल थैली होती है, जिसे वह मादा फ्रिगेट को आकर्षित करने के लिए फुलाता है। फ्रिगेट बड्र्स, ज्यादातर मध्य और उत्तरी अमेरिका के देशों में पाए जाते हैं। *

रेड चेस्ट डाइविंग डक

अपनी दांतदार चोंच के कारण ये पक्षी 'मरगस सरेटर' नाम से भी जाने जाते हैं। ये 51.62 सेंटीमीटर तक लंबे हो सकते हैं। इसके पंखों का फैलाव 70.86 सेंटीमीटर तक हो सकता है। यह डक 129 किमी या 80 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकता है। रेड चेस्ट डक पानी के अंदर डाइव लगाकर काफी देर तक रह सकता है। ये पक्षी मछलियां, कीड़े और मेंढक आदि खाते हैं। यह डक मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका, ग्रीनलैंड, यूरोप और एशिया के देशों में मिलते हैं। *

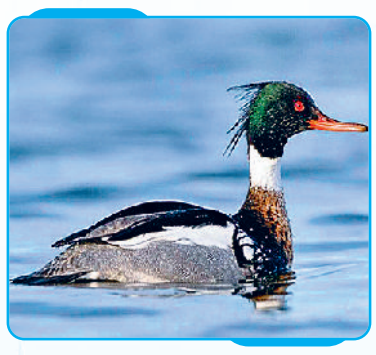

कैनवास बैक डक

यह उत्तरी अमेरिका के देशों में पाया जाने वाला सबसे बड़े आकार का डाइविंग डक है। यह लगभग 80 सेंटीमीटर तक लंबा हो सकता है और इसके पंखों का फैलाव 48.56 सेंटीमीटर तक हो सकता है। यह 124 किमी या 77 मील प्रति घंटा की स्पीड से उड़ सकता है। इनकी खासियत है कि ये अपने साथियों के साथ झुंड में वी-शेप बनाकर आकाश में उड़ते हैं। ये जलीय वनस्पति खाते हैं। सर्दियों के दौरान यह मिसीसिपी नदी के आस-पास के गर्म इलाकों में माइग्रेट करते हैं। *

जानकारी / नयनतारा

कब की जाती है मेडे कॉल

बच्चो, पिछले दिनों अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश की दुर्घटना के बाद न्यूज चैनल्स, न्यूज पेपर्स और सोशल मीडिया पर तुम बार-बार एक शब्द 'मेडे कॉल' के बारे में सुन या पढ़ रहे होगे। क्या तुम जानते हो यह कॉल क्या होती है और कब की जाती है?

बच्चो, बीते 12 जून 2025 को अहमदाबाद (गुजरात) में एयर इंडिया का एक एयरो प्लेन एआई 171 उड़ान भरने के कुछ पलों बाद ही क्रैश हो गया था। प्लेन क्रैश से कुछ समय पहले प्लेन के कैप्टन यानी पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से संपर्क करते हुए 'मेडे कॉल' जारी की थी। जानो 'मेडे कॉल' के बारे में।

कहां से आया टर्म 'मेडे': यह शब्द फ्रेंच भाषा के प्रचलित फ्रेज 'म'आइडर' से बना है, जिसका अर्थ होता है 'हेल्प मी' यानी मेरी मदद करो। चूंकि यह फ्रेंच फ्रेज सुनने में 'मेडे' जैसा प्रतीत होता है, इसलिए 'म'आइडर' की जगह 'मेडे' प्रचलित हो गया। अब तो हवाई उड़ान के दौरान आई इमरजेंसी से संबंधित 'मेडे' शब्द को दुनिया के लगभग सभी देशों के लोग समझते हैं। प्रायः हर देश और हर कंपनी की विमान सेवा में इमरजेंसी मैसेज के लिए 'मेडे कॉल' टर्म का ही यूज किया जाता है।

ऐसे हुई मेडे कॉल की ऑफिसियल शुरुआत: इस शब्द की शुरुआत 1923 में लंदन के क्रायडन एयरपोर्ट के वरिष्ठ रेडियो अधिकारी फ्रेडरिक मोकफोर्ड के आग्रह पर हुई और 1948 में इसे आधिकारिक (ऑफिसियल) बना दिया गया।

क्यों कहते हैं इसे मेडे कॉल: प्लेन की उड़ान के दौरान जब पायलट को लगता है कि एयरो प्लेन खतरे में है, तो वह 'मेडे, मेडे, मेडे...' पुकारता है। यह संकट में दिया गया रेडियो सिग्नल है। जैसे ही एयर ट्रैफिक नियंत्रण करने वाले 'मेडे कॉल' को सुनते हैं, वे जान जाते हैं कि एयरो प्लेन संकट में है और उसे मदद की जरूरत है।

तब करते हैं मेडे कॉल: मेडे कॉल एक आपात संदेश (इमरजेंसी मैसेज) होता है। इसे एयरो प्लेन का पायलट उस समय करता है, जब विमान किसी गंभीर संकट में हो और यात्रियों या क्रू मेंबर्स की जान को खतरा हो। विमान का इंजन फेल होना, खराब मौसम, नेविगेशन सिस्टम की विफलता, किसी यात्री की अचानक तबियत खराब हो जाना या पायलट द्वारा हवाई जहाज का नियंत्रण खो देना... इस तरह की आपात कालीन परिस्थितियों में मेडे कॉल किया जाता है। *

तुम्हारे लिए नई किताबें / विज्ञान भूषण

जानवरों-पक्षियों पर कविताएं

बच्चो, तुम अपने आस-पास कई तरह के जानवरों और पक्षियों को देखते होगे। कुछ जानवर और पक्षी तुमने चिड़ियाघर यानी जू में देखे होंगे। लेकिन उनमें से कई जानवर और पक्षी ऐसे होंगे, जिनके बारे में तुम बिल्कुल नहीं या बहुत कम जानते हो। हाल में ही दो ऐसी नई किताबें छपकर आई हैं, जिनमें अनेक पालतू और जंगली पशु-पक्षियों के बारे में कविता के माध्यम से जानकारी दी गई है। 'कितने प्यारे जानवर हमारे' और 'कितने प्यारे पंछी हमारे' शीर्षक वाली इन किताबों में प्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल ने सरल और प्यारी कविताओं में देश-दुनिया में पाए जाने वाले कई पशु-पक्षियों के आकार, उनकी शारीरिक विशेषताओं, उनके स्वभाव, उनके निवास और उनसे जुड़ी कहावतों की जानकारियां दी हैं। मोर कविता में वह लिखते हैं, *'राष्ट्रीय पक्षी भारत का/कहा मोर ही जाता/सुंदर पंखों के कारण है/मन को बेहद भाता।'* तो गौरैया कविता में लिखते हैं, *'इधर-उधर जब चहका करती/लगती प्यारी-प्यारी/गौरैया अब संख्या में कम/चिंता बढ़ी हमारी।'* इसी तरह भालू कविता में वे लिखते हैं, *'बजा डुगडुगी खूब मदारी/इसको नाच नचाता/भालू खुश होकर बच्चों के/मन को है बहलाता।'* ऐसी ही बहुत सी कविताएं इन दोनों किताबों में संकलित हैं। इन कविताओं को पढ़ने में तुमको सच में बहुत मजा तो आएगा ही, ढेरों जानवरों, पक्षियों के बारे में काफी कुछ जानने को भी मिलेगा। *

किताबें: 'कितने प्यारे जानवर हमारे' और 'कितने प्यारे पंछी हमारे'
लेखक: डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल, **मूल्य:** 150 रुपए (प्रत्येक)
प्रकाशक: सूर्य भारती प्रकाशन, दिल्ली

जीतू को आई समझ

जीतू का पढ़ाई में बिल्कुल मन नहीं लगता था। लेकिन खेलने में खूब मजा आता था। अकसर अपने मम्मी-पापा से बिना बताए वह स्कूल बंक करके पार्क में बच्चों के साथ क्रिकेट खेलने लगता। लेकिन एक दिन शूज पॉलिश करने वाले एक बूढ़े बाबा ने उससे कुछ ऐसा कहा कि जीतू ने मन लगाकर पढ़ाई करने का संकल्प कर लिया।

कहानी
सरस्वती रमेश

जीतू के मम्मी-पापा मजदूरी करते हैं। सुबह-सुबह जीतू की मम्मी उसे तैयार कर स्कूल भेज देती हैं। उसके बाद पापा के साथ वह भी काम पर चली जाती हैं। जीतू का पढ़ाई में बिल्कुल भी मन नहीं लगता। उसका स्कूल जाने का भी मन नहीं करता है। स्कूल के पास ही एक बड़ा-सा मैदान है। वहां ढेरों बच्चे खेलते रहते हैं। उनको देखकर जीतू का भी मन करता है कि वह भी स्कूल जाने के बजाय उन बच्चों के साथ खेले।

एक दिन जीतू स्कूल जा रहा था। मैदान में बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। तभी गेंद उसके सामने आ गिरी। खेल रहे बच्चे चिल्लाने लगे, 'गेंद फेंको.. गेंद फेंको।' जीतू ने गेंद उनकी तरफ फेंक दी फिर कुछ देर वहीं खड़े होकर उन बच्चों का खेल देखने लगा। थोड़ी देर बाद क्रिकेट खेल रहे बच्चों के पास जाकर जीतू बोला, 'मुझे भी अपने साथ में क्रिकेट खेलने दो।'

'ठीक है, वहां फील्डिंग पर लग जाओ।' बैटिंग कर रहे लड़के ने इशारा करते हुए जीतू से कहा। जीतू खुश हो गया। उसे खेलने में बड़ा मजा आ रहा था। खेलते-खेलते दोपहर हो गई। बच्चे अपने-अपने घर जाने लगे। जीतू भी बस्ता टांग कर अपने घर वापस लौट आया।

अगले दिन से जीतू स्कूल जाने के लिए घर से निकलता लेकिन स्कूल जाने के बजाय मैदान में बच्चों के साथ खेलने लगता। खेलने में उसे बड़ा मजा आता। अब न पढ़ाई का प्रेशर था, न होमवर्क करने की चिंता। रोज-रोज स्कूल बंक कर बच्चों के साथ खेलना उसकी आदत बन गई।

मैदान के बगल वाली सड़क पर एक बूढ़े बाबा जूते पॉलिश करते थे। आते-जाते जीतू उन्हें रोज देखता। एक दिन जीतू खेलने के बाद घर जा रहा था। उसने देखा कि बूढ़े बाबा किताब पढ़ रहे हैं। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ। वह उनके पास जाकर बोला, 'बाबा, आप तो जूते पॉलिश करने का काम करते हैं। आज आप किताब क्यों पढ़ रहे हैं?'

'क्योंकि मैं जान गया हूं कि पढ़ाई-लिखाई जीवन में बहुत जरूरी है।' बाबा ने कहा। 'कैसे जान गए... ऐसा क्या हुआ?' जीतू ने हैरानी से पूछा।

'बेटा, मैं सिर्फ दूसरी कक्षा तक पढ़ा हूं। अक्षर पहचान लेता हूं। लेकिन अच्छी तरह पढ़ना नहीं जानता। मेरे पोते को कुछ दिनों से खांसी आ रही थी। दवा का नाम ना पढ़ पाने के कारण मैंने उसे खांसी की दवा पिलाने की बजाय घाव साफ करने वाली दवा पिला दी, जिससे मेरे पोते की तबियत और बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाना पड़ा। असल में दोनों दवाओं का रंग एक जैसा था। मुझे समझ नहीं आया। अगर मैं पढ़ा-लिखा होता तो यह गलती कभी ना होती। दवा का नाम पढ़ लेता। अब मेरा पोता ठीक हो गया है। मैंने उसका दाखिला स्कूल में करा दिया है और अपने लिए भी किताबें खरीद लाया हूं। खाली समय में अब मैं भी किताबें पढ़ता हूं।' बूढ़े बाबा ने बताया।

'लेकिन मुझे तो पढ़ना बिल्कुल पसंद नहीं है। पढ़ाई के लिए तो बहुत मेहनत करनी पड़ती है, बहुत दिमाग खपाना पड़ता है। इसलिए मैं स्कूल जाने की बजाय यहां पार्क में खेलने चला आता हूं।' जीतू ने बताया।

जीतू की बात सुनकर बाबा ने उसे समझाते हुए कहा, 'बेटा, मेहनत और लगन से पढ़ाई-लिखाई करने वाले आगे चलकर अच्छे और सफल इंसान बनते हैं। देश के लोगों की सेवा करते हैं। सेना में भर्ती होते हैं, पुलिस बनते हैं, डॉक्टर या इंजीनियर बनते हैं। पढ़-लिखकर बहुत-से अच्छे काम किए जा सकते हैं, जो बिना पढ़े-लिखे संभव नहीं है। तुमको स्कूल जरूर जाना चाहिए।'

बाबा की बातें सुनकर जीतू सोच में पड़ गया। उसके मम्मी-पापा को भी पढ़ना नहीं आता। इसलिए उन्हें धूप में मजदूरी करनी पड़ती है। अगर स्कूल नहीं जाएगा, तो वह भी अनपढ़ रह जाएगा। जरूरत पड़ने पर दवाइयों के नाम भी नहीं पढ़ पाएगा। ऐसे तो बड़े होकर उसे भी मजदूरी जैसा कोई काम करना पड़ेगा। जीतू को अपने स्कूल बंक करने की आदत पर बहुत पछतावा होने लगा। 'बाबा, अब मैं रोज स्कूल जाऊंगा। मन लगाकर पढ़ाई करूंगा। बड़ा होकर डॉक्टर बनूंगा।' जीतू ने जोश के साथ बूढ़े बाबा से कहा।

'शाबाश! बहुत बढ़िया। खूब पढ़ो.. आगे बढ़ो।' बाबा ने जीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा। *

कविता
सिराज अहमद

टुक टुक टुक

चला सैर को बंटी बंदर
बहुत दिनों था घर के अंदर
कैब फोन से कर ली बुक
टुक टुक टुक- टुक टुक टुक
विंडो के फिर पास बैठकर
पैर चढ़ाकर एक पैर पर
बाहर करता लुक लुक लुक
टुक टुक टुक- टुक टुक टुक
दिखा रास्ते में एक हाथी
था उसका बचपन का साथी
हाल-चाल पूछा फिर रुक
टुक टुक टुक- टुक टुक टुक
दिनभर करके सैर सपाटा
खाते-पीते मौज उड़ाता
लौटा घर को पढ़ते बुक
टुक टुक टुक- टुक टुक टुक

जीके क्विज-159

1. आईसीसी की ताजा रैंकिंग के अनुसार विश्व की बेस्ट वन-डे महिला बैटर कौन बनी है?
2. हाल ही में किस देश ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया है?
3. हरियाणा के वर्तमान राज्यपाल का क्या नाम है?
4. रातापानी टाइगर रिजर्व किस प्रदेश में स्थित है?
5. दूध की शुद्धता मापने के लिए किस यंत्र का प्रयोग किया जाता है?
6. ज्ञानपीठ पुरस्कार किस क्षेत्र में दिया जाता है?
7. विश्व जनसंख्या दिवस कब मनाया जाता है?
8. 'हिंद स्वराज' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
9. हर वर्ष निकाली जाने वाली रथ यात्रा का संबंध किस मंदिर से है?
10. हमारा पड़ोसी देश श्रीलंका किस महासागर के बीच में स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-159 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-158 का उत्तर : 1.महेंद्र सिंह धोनी, 2.ऋषभदेव, 3.जम्मू-कश्मीर, 4.छत्तीसगढ़, 5.कार्बन डाइऑक्साइड, 6.केराटिन, 7. 1576 ई., 8. 1 जुलाई, 9.प्लैटिनम, 10.बछेंद्री पाल

जीके क्विज-158 का सही उत्तर देने वाले : स्वप्निल-रायगढ़, ममता-सीतापुर, लालिमा-गरियाबंद, राम-राजनांदगांव, सौम्या-रायगढ़, कबीर-हिसार, मीनाक्षी-रायपुर, पंकज-भोपाल, अनुज-बेमेतरा, प्रियंका-बिलासपुर, कुश-महासमुंद

रंग भरो-178

रंग भरो-178 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

शौर्य, रोहतक

भव्या, बिलासपुर

तन्वी, रोहतक

वेदिका, बालोद

रेयांश, बिलासपुर

समृद्धि, शहडोल

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

रितेश-मटियारी, प्रिया-रायपुर, संतोष-भोपाल, अमन-रोहतक, रुचि-जबलपुर, निखिल-महासमुंद, अंचित-रायगढ़, कविता-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, दिनेश-करनाल, लक्ष्य-कोरबा

रंग भरो 179

बच्चो, यहां दो बिल्लियों का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतें आज सुनेंगे

झज्जर। शुक्रवार को बिजली उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा कार्यकारी अभियंता की अध्यक्षता में सुबह 11 बजे से 2 बजे तक उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम का आयोजन किया जाएगा। फोरम का आयोजन बिजली निगम के पर्वतन परिमंडल यूएचबीवीएन झज्जर कार्यालय में होगा। इस दौरान सिटी सब डिविजन झज्जर, सब अर्बन सब डिविजन झज्जर, सब डिविजन माछरौली, सब डिविजन बादली क्षेत्र उपभोक्ताओं की विभिन्न बिजली एवं बिजली बिल संबंधित समस्याएं सुनी जाएंगी।

संस्कृत के विकास के प्रति सजगता जरूरी

बहादुरगढ़। सनातन सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि संस्कृत भाषा का संरक्षण एवं संवर्धन नितांत आवश्यक है। उनके अनुसार देश के प्रत्येक नागरिक के साथ जनप्रतिनिधियों को भी संस्कृत के विकास के प्रति सजग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई स्कूलों में बच्चों को बोलचाल की भाषा के तौर पर संस्कृत को प्रयोग होते देख मुझे बहुत खुशी महसूस होती है। संस्कृत भाषा सदैव हमारी पथ प्रदर्शक रही है। यदि इस भाषा को हम वाक व्यवहार में लाते तो देवत्व हमारे अंदर स्वयं आ जाता।

शहर के विकास के लिए अलग-अलग प्रस्ताव सरकार को भेजे: विधायक

स्वच्छ पेयजल और सीवर व्यवस्था सुदृढ़ करने को भेजा 522 करोड़ का प्रपोजल

कन्हेली में डेयरियों के सड़क सीवर , पानी के लिए 15 करोड़ मंजूर , टेंडर हुआ अलॉट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

कन्हेली रोड स्थित डेयरी कांप्लेक्स के विकास के लिए 15 करोड़ रुपए के कामों के टेंडर मंजूर हुए हैं। शहर से कांग्रेस के विधायक बीबी बत्रा ने कहा अपने शहर के चहुमुखी विकास के लिए वे धरातल पर काम कर रहे हैं, उनकी कोशिश है कि शहर में लोगों को अच्छी सुविधा मिलनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि कन्हेली रोड डेयरी कांप्लेक्स के लिए उनके प्रयासों से 15 करोड़ रुपए का एडमिनिस्ट्रेटिव फाइनल अप्रूवल आ चुका है, टेंडर भी अलॉट हो चुके है। इस राशि से यहां सड़क निर्माण होगा सीवर और पानी की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि इस बारे में तकनीकी कार्य यानी आखिरी नेगोशिएशन सरकार के पास गई है और जल्द ही स्वीकृत होते ही यहां कार्य शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि डेयरी कांप्लेक्स के विकास के लिए यह एक अति आवश्यक जरूरी प्रक्रिया है। यह कार्य शुरू होने से शहर की डेयरी यहां पर स्थानांतरित हो सकेंगी। विधायक ने कहा कि शहर व नगर निगम के क्षेत्र में पीने के पानी की सप्लाई में दूषित पानी आना, पानी की सप्लाई कम आना और सीवरेज व्यवस्था का ठप होना, एक बड़ी विकराल समस्या बनी हुई है। पुराने अधिकांश पाइप जर्जर हालत में है और सीवरेज व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। बत्तरा ने कहा कि इस समस्या को सुलझाने के लिए विभाग ने सरकार को प्रस्ताव दिया है। उसके अनुसार जेएलएन ओर बिएसबी से पानी को पंप सेट के माध्यम से वाटर वर्क्स में लाया जाए। इससे शहर को पुरी पानी की सप्लाई मिल सकेगी। साथ ही फर्स्ट वाटर वर्क्स के स्ट्रक्चर का अपग्रेडेशन भी हो जाएगा और पानी की शॉर्टेज की समस्या समाप्त हो जाएगी। बत्रा के अनुसार स्वच्छ पेयजल, नियमित पेयजल एवं सुदृढ़ सीवर व्यवस्था के लिए विभाग ने 522 करोड़ रुपए अलग-अलग प्रपोजल सरकार को भेजे हैं। इनके तहत शहर की बहुत सी पेयजल पाइप लाइन बदली जानी है, ठीक होनी है, पुराने बड़ी लाइन के सीवर नई तकनीक के साथ पहले साफ होंगे फिर उनके स्ट्रैंथन का कार्य होगा। बहुत से स्थान पर नई सीवर की लाइन भी डाली जानी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शहर की समस्या के स्थाई समाधान के दिए इस सारे एस्टीमेट को स्वीकृत करे। बत्तरा ने कहा कि वह स्वयं इस मामले में मुख्यमंत्री से मिलकर रोहतक के लिए बजट की मांग करेंगे ताकि शहर की इस विकराल समस्या का समाधान हो सके।

मानसरोवर पार्क का होगा रिनोवेशन

विधायक भारत भूषण बत्तरा ने शहर के प्रमुख मानसरोवर पार्क का संज्ञान लेते हुए इस बारे में नगर निगम कमिश्नर से बात करते हुए कुछ मुद्दों पर उनसे विशेष आग्रह किया है। विधायक ने कहा कि पार्क में कंप्लीट रिनोवेशन करवाए जाने की आवश्यकता है, यह पार्क के सौंदर्य से जुड़ा हुआ मामला है। यहां मड़ (मिट्टी का) ट्रैक भी बने और लगभग 15 साल पुराने वाकिंग ट्रेक की टाइल बदलकर पार्क को और सुंदर बनाया जाए। पार्क के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यहां फवारा नियमित रूप से चले। उन्होंने कहा कि नगर निगम कमिश्नर ने उन्हें आश्वस्त किया है कि यह कार्य जल्द ही शुरू करवाएंगे।

प्रशासन को लिखा पत्र दिल्ली रोड पर हो पौधारोपण

विधायक भारत भूषण बत्तरा ने जिला उपायुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त को पत्र लिखकर अंबेडकर चौक से राजीव चौक तक सड़क के बीच में काटी गई ग्रिल मामले में ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग की इस सड़क पर ग्रिल काटकर बीच में कुछ पौधे लगाए गए थे, जिनमें से अधिकांश पौधे सूख चुके हैं। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि अभी बारिश का मौसम है, एक पेड़ मां के नाम सरकार की योजना है, इसके तहत यहां पर नीम, गुलमोहर, गोगन बेलिया, इंग्लिश कनेर, देशी अशोक, अमलतास, जकरंडा, पीलखन, कचनार एवं केसिया आदि अच्छे पौधे लगाए जाने चाहिए। इस कार्य को सम्पन्न करने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त को इसका प्रभार दिया जाना चाहिए।

पीजीआई के लिए सड़क का मामला अभी पेंडिंग, समिति 15 दिन में देगी रिपोर्ट

ओमेक्स के सामने से कण्हेली फ्लाईओवर के नीचे एक रास्ता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से होते हुए पीजीआई तक जाएगा। यह सही है कि 2015 में तत्कालीन विधायक ने सदन में ट्रैफिक से बचने के लिए पीजीआई को डायरेक्ट एंट्री का मामला विधानसभा में उठाया था, सरकार ने उस पर आश्वासन भी दिया था, लेकिन उसके बाद इस मुद्दे की किसी ने सुध नहीं ली। हाल ही में यह मामला विधानसभा की सरकारी आश्वासन समिति के सामने आया । समिति ने इस बारे में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, पीजीआई रोहतक, और तमाम बड़े अधिकारियों की मौजूदगी में रोड की फिजिबिलिटी बनाने के लिए एक कमेटी का गठन किया है। यह समिति 15 दिन में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

रोहतक। समाधान शिविर में शिकायतें सुनते अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

समाधान शिविर में सुनी आमजन की शिकायतें

- प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

लघु सचिवालय स्थित सभागार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार नागरिकों की हर शिकायत-समस्या के एक छत के नीचे तुरंत समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक सप्ताह के सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायते सुनते हुए नगराधीश अंकित कुमार तथा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने कहा कि समाधान शिविरों में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर मौके पर विभाग से संबंधित शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू कर रहे है। नगराधीश अंकित कुमार ने शिकायतें सुनने के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। समाधान शिविर में नगर निगम, पुलिस, जनस्वास्थ्य, लोक निर्माण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम इत्यादि विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके निपटारे की मौके पर प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

कल होगा रात्रि ठहराव का कार्यक्रम

नगराधीश अंकित कुमार ने विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह द्वारा सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए है कि वे 27 जून को महम खंड के गांव सीसर खास में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे रात्रि ठहराव कार्यक्रम में उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे तथा विभाग से संबंधित शिकायतों का निपटारा भी करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी को 27 जून को अवकाश लेना है तो वे उपायुक्त से पूर्व में स्वीकृति प्राप्त करें।

जिला प्रशासन का अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख, चली जेसीबी

अवैध कॉलोनियों पर चलता नगर निगम का पीला पंजा। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिला प्रशासन द्वारा जिले में अवैध कॉलोनियों और निर्माणों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की गई। बालंद गांव में लगभग दो एकड़ में विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया गया। इस कॉलोनी में बने अस्थायी निर्माण, चारदीवारी और कच्चे रोड नेटवर्क को तोड़ा गया। यह अभियान भविष्य में भी इसी तरह जारी रहेगा और जिले में किसी भी प्रकार की अवैध कॉलोनी या निर्माण को पनपने नहीं दिया जाएगा। कार्रवाई के दौरान जिला नगर योजनाकार कार्यालय, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी जीवन भर की जमा पूंजी को अवैध कॉलोनियों या निर्माण में निवेश न करें। प्रशासन समय-समय पर ऐसे अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करता रहेगा। जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने भी नागरिकों से आग्रह किया कि किसी भी संपत्ति में निवेश करने से पहले संबंधित कार्यालय में आकर जानकारी अवश्य लें। डीलरों या भू-मालिकों द्वारा काटी जा रही अवैध कॉलोनियों में निवेश से बचें, क्योंकि विभागीय कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

एमडीयू चलाएगा तीन पखवाड़ों तक सघन पौधरोपण अभियान, दो लाख से अधिक छात्र होंगे सहभागी

- कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने की अभियान की घोषणा, पर्यावरण संरक्षण को बताया समय की मांग
- दो लाख से अधिक छात्र सक्रिय रूप से लेंगे भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम पहल करते हुए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) आगामी तीन पखवाड़ों तक सघन पौधरोपण अभियान चलाएगा। इस अभियान में विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों के दो लाख से अधिक छात्र सक्रिय रूप से भाग लेंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने आज एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान दी।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य हरियाली को बढ़ावा देना, पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना और छात्रों में प्रकृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। उन्होंने बताया कि पौधरोपण केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं होगी, बल्कि यह एक दीर्घकालिक पर्यावरणीय जिम्मेदारी का रूप लेगी।

कुलपति ने बताया कि इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर, संबद्ध महाविद्यालयों, ग्रामीण क्षेत्रों, सडक़ों के किनारे, सार्वजनिक स्थलों तथा सामुदायिक क्षेत्रों में पौधे लगाए जाएंगे। अभियान में विश्वविद्यालय की एनएसएस, वाईआरसी, एनसीसी, यूथ रेड क्रॉस इकाइयां तथा सभी विभागों व संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी एवं स्टाफ सदस्य भाग लेंगे। इस अभियान से एमडीयू कैंपस के 15 हजार विद्यार्थी, संबद्ध 250 महाविद्यालयों के लगभग 2 लाख से ज्यादा विद्यार्थी तथा लगभग 5 हजार स्टाफ सदस्य जुडक़र इसे व्यापक रूप प्रदान करेंगे। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने बैठक में विश्वविद्यालय परिसर की सुंदरता और स्वच्छता को और अधिक निखारने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि एमडीयू परिसर न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है, बल्कि अब वह हरियाली और सौंदर्य का भी प्रतीक है। इसकी सुंदरता और हरियाली को बढ़ाने के महत्वपूर्ण पहलुओं बारे कुलपति ने चर्चा की। कुलपति ने कहा कि युवाओं की भागीदारी के बिना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में स्थायी बदलाव संभव नहीं है। यह अभियान न केवल हरियाली बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि छात्र-छात्राओं को प्रकृति से जुड़ने और उसकी रक्षा के लिए प्रेरित करेगा। इस बैठक में डीन, सीडीसी प्रो. विनीता हुड्डा, यूनिवर्सिटी आउटरीच निदेशक प्रो. अंजू धीमान, यूनिवर्सिटी आउटरीच कंसल्टेंट प्रो. राजकुमार, निदेशक कैंपस फॉरेस्ट्री एंड प्लांटेशन ड्राइव प्रो. सुरेन्द्र यादव, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस सुनील जागलान, यूआईईटी के सहायक प्रोफेसर डा. ईशा, एक्सईएन जेएस दहिया, हास्पिटैलिटी कंसल्टेंट दिलावर सिंह आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक लेते कुलपति राजबीर सिंह।

अभियान जुलाई महीने में प्रारंभ होगा: कुलपति

कुलपति ने बताया कि यह अभियान जुलाई महीने में प्रारंभ होगा और चरणबद्ध ढंग से आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में 1 जुलाई से 15 जुलाई तक पौधरोपण अभियान आयोजित किया जाएगा, जो दिव्यांगों को समर्पित रहेगा। दूसरा चरण में 16 से 30 जुलाई तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के-एक पेड़ मां के नाम अभियान को समर्पित रहेगा। तीसरा चरण 31 जुलाई से 14 अगस्त तक नशा मुक्त घर अभियान को समर्पित रहेगा। इस दौरान फलदार, छायादार व औषधीय पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी और उनकी स्थानीय पर्यावरण के अनुकूल प्रजातियां चुनी जाएंगी।

रोहतक। बैठक के दौरान मांगों को लेकर प्रदर्शन करते मिड डे मिल कार्यकर्ता।

मिड डे मिल कार्यकर्ता यूनियन की हुड्डा सिटी पार्क में मांगों को लेकर बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन की वीरवार को हुडा सिटी पार्क में बस स्टैंड के सामने बैठक हुई। जिसका संचालन हेड मास्टर सुबे सिंह ने किया। कहा कि पानीपत में बड़ा विशाल प्रदर्शन करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के आवास पर जाकर के अपनी मांगों का ज्ञापन दिया गया। जिसमें यूनियन की महासचिव कुसुम पांचाल को ड्यूटी पर बहाल किया जाए, 10 माह की जगह 12 माह का मानदेय दिया जाए, हमारे से ड्यूटी से बाहर के कार्य न लिए जाएं अन्य मांगों समेत प्रतिनिधियों ने हमारी बात पर सहमति जताई।

यूनियन की महासचिव कुसुम पांचाल ने कहा कि हमें अपनी मांगों के लिए लड़ते हुए ही अपनी यूनियन को मजबूत करना होगा। यूनियन के राज्य उपाध्यक्ष ईश्वर सिंह राठी ने कहा की महासचिव कुसुम पांचाल का कसूर इतना ही है कि उन्होंने हेडमिस्ट्रेस के सामने यह कहा कि बच्चों को दलिए में दूध नहीं मिलता है जबकि दूसरे स्कूलों में मिलता है और 1 किलो दाल में 75 बच्चों को कैसे खाना खिलाया जा सकता है यह कहने से ही मुख्य अध्यापिका मेरे से एकदम से नाराज हो गई और कुछ ही दिनों में यहां तक की साजिश करके पुलिस में भी हमारे को बंद करने का प्रयास किया। एआईयूटीयूसी के राज्य अध्यक्ष कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि पहले भी आपने आंदोलन करते हुए ही ड्रेस चालू करवाई थी कई बार अपना मानदेय बढ़ाया है अब हमारी लड़ाई सरकारी कर्मचारी का दर्जा लेने व अभी हाल में ही कम से कम प्रांत में जो न्यूनतम वेतन है वह मिड डे मील कार्यकर्ताओं को भी मिले और सबसे बड़ी बात यह है की इज्जत से सिर उठाकर आंदोलन करना सीखा है।

बैठक में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मीटिंग में माया, कविता, लक्ष्मी, संतोष यादव, उर्मिला, विमला, संतोष, सुनीता, रेखा, अनीता आदि ने भी अपने विचार रखे।

तीन दिन बाद खत्म हो जाएगा कूड़ा उठान का टेंडर चिंता में कर्मचारी, रुकेगा तीन महीने का वेतन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

डोर-टू-डोर कूड़ा उठान के कार्य में लगे कर्मचारियों की हड़ताल वीरवार को भी जारी रही। कर्मचारियों ने अपनी गाड़ियां नहीं निकाली और काम बंद रखा। कर्मचारी अब इस बात को लेकर भी चिंतित है कि इस माह के शेष तीन दिनों के बाद ठेकेदार का टेंडर समाप्त हो जाएगा। जिस कारण उनका तीन माह का वेतन भी रुक जाएगा। अब वे किस के पास जाकर अपनी समस्या का समाधान कराएं यह उनकी समझ में नहीं आ रहा। हालांकि नगर पालिका सफाई कर्मचारी यूनियन के इकाई प्रधान शिवम ने भी कर्मचारियों से कहा कि वे इस माह तक अपना काम सुचारू रूप से करें। उन्होंने कहा कि नप सचिव ने फोन पर बताया है कि ठेकेदार का बिल पास करने से पहले सफाई कर्मचारियों को उनका वेतन दिलाया जाएगा।

झज्जर। पुराने नगर पालिका भवन परिसर में एकत्रित कर्मचारी।

'सीखने के प्रतिफल' विषय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

द आर्यन ग्लोबल विद्यालय में 'सीखने के प्रतिफल' विषय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र का आरम्भ दीप-प्रज्जवलन से किया गया। उप-प्रधानाचार्या निशु रानी ने सभी शिक्षकों सहित डॉ. निर्मला का स्वागत किया। प्रशिक्षण सत्र की रिसोर्स पर्सन डॉ निर्मल पोपली ने अत्यधिक रुचिकर तरीके से शिक्षकों को प्रशिक्षित किया।

इस दौरान अनेक गतिविधियां करवाई गई। इस प्रकार के सत्र अध्यापकों की गुणवत्ता में वृद्धि करते हैं जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलता है। उप-प्रधानाचार्या निशु रानी ने डॉ निर्मला पोपली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की तथा आभार व्यक्त करते हुए पौधा भेंट किया। सभी ने कार्यशाला समापन होने पर धन्यवाद दिया।

आयोग द्वारा नया डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआई-नेट किया गया प्रचालित

72 घंटे से भी कम समय में इंडेक्स कार्ड किए जारी : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

भारत निर्वाचन आयोग ने देश के राज्यों में पांच विधानसभा निर्वाचन-क्षेत्रों में हाल ही में संपन्न उप-चुनावों में नए डिजिटल प्लेटफार्म ईसीआई-नेट को प्रचालित कर दिया है। यह स्मरणीय है कि आयोग ने इसी वर्ष गत 4 मई को आयोग के मौजूदा 40 से अधिक मोबाइल और वेब अनुप्रयोगों (एप्लीकेशन) को एकीकृत करने वाले एक नए वन-स्टॉप प्लेटफार्म ईसीआई-नेट विकसित किए जाने की घोषणा की थी। यह उप-चुनाव ईसीआई-नेट के कुछ मॉड्यूलों के सफल कार्यान्वयन के साक्षी रहे, जो आने वाले सप्ताहों में पूरी तरह से क्रियाशील हो जाएंगे।

उन्होंने बताया कि ईसीआई-नेट मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी के साथ आयोग द्वारा मतदाताओं और अन्य हितधारकों के हित में चुनावी जानकारी को समय से और अद्यतन (अपडेटिड) तरीके से दिए जाने के उद्देश्य से की गई विभिन्न पहलों में से एक है। इन उप-चुनावों के दौरान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि पीठासीन अधिकारियों द्वारा पहले के मैन्युअल तरीकों के बजाए ईसीआई-नेट पर वीटीआर रूझान सीधे अपलोड किए गए। इससे सूचना को तुरंत सांझा करना संभव हुआ, पारदर्शिता बढ़ी और वीटीआर रुझानों को प्रकाशित करने में लगने वाले समय में भी अत्यधिक कमी आई। ईसीआई-नेट के माध्यम से यह सुनिश्चित हुआ कि पीठासीन अधिकारी अपना-अपना मतदान केंद्र छोडऩे से पहले अंतिम वीटीआर आंकड़े अपलोड कर सके, जिसके परिणामस्वरूप ईसीआई-नेट पर जनता के लिए वीटीआर रुझानों की और तेजी से उपलब्धता सुनिश्चित हुई।

इसीआई नेट प्रणाली शुरू होने से परिणाम इंडेक्स कार्ड प्रकाशन में आई तेजी

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि ईसीआई-नेट प्रणाली प्रारंभ किए जाने का एक और महत्वपूर्ण परिणाम इंडेक्स कार्डों का अधिक तेजी से प्रकाशन रहा है, जिन्हें चुनाव परिणामों की घोषणा के 72 घंटों के भीतर उपलब्ध करा दिया गया। इंडेक्स कार्ड को डिजिटल बनाने और इसे जेनरेट करने की प्रक्रिया को तेज करने के निर्णय की घोषणा इसी महीने 5 जून को की गई थी। इस नई प्रणाली के तहत, इंडेक्स कार्ड के अधिकांश डेटा-फ़ील्ड ईसीआई-नेट इनपुट का उपयोग करने से स्वत भर जाते हैं। ईसीआई-नेट के प्रारंभ होने से पहले, इंडेक्स कार्ड के प्रकाशन में कई दिन, कई सप्ताह, यहां तक कि महीनों का समय लग जाता था क्योंकि डेटा पदधारियों द्वारा मैन्युअल तरीके से भरे और सत्यापित किए जाते थे।

आयोग द्वारा इंडेक्स कार्ड को 1980 के दशक में स्व-प्रेरणा से किया गया था विकसित

इंडेक्स कार्ड एक गैर-संविधिक तथा चुनावों के बाद की जाने वाली सांख्यिकीय रिपोर्टिंग का फार्मेट है, जिसे 1980 के दशक के उत्तरार्ध में आयोग द्वारा एक स्व-प्रेरणा से की गई पहल के रूप में विकसित किया गया था। इसका उद्देश्य शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, पत्रकारों और आम जनता सहित सभी हितधारकों के लिए निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर चुनाव-संबंधी डेटा तक पहुंच को और सुगम बनाना था। इन रिपोर्टों में उम्मीदवारों, निर्वाचकों, डाले गए मतों, गिने गए मतों, दल-वार और उम्मीदवार-वार वोट शेयर, लिंग-आधारित मतदान पैटर्न, क्षेत्रीय विविधताओं और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन जैसे बहुआयामी डेटा शामिल होते हैं। इन रिपोर्टों को **https://www.eci.gov.in/statistical-reports** पर उप-चुनाव टैब पर देखा जा सकता है।

प्रदेशभर के लोग सेक्टर 14 स्थित सिंधु भवन पहुंचे श्रद्धासुमन अर्पित करने

माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक जताया

रोहतक। सिंधु भवन में शोक जताने पहुंचे इनेलो नेता अभय चौटाला व अन्य।

रोहतक। सिंधु भवन में शोक जताने पहुंचे पंजाब के पूर्व मंत्री मनप्रीत सिंह बादल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रोहतक

प्रदेश के पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर शोक जताने वालों का बृहस्पतिवार को भी दिन भर तांता लगा रहा। प्रदेशभर के लोग सेक्टर 14 स्थित सिंधु भवन में पहुंचे और परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेता, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और खाप पंचायतों ने माता परमेश्वरी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान पवन जिंदल उत्तर क्षेत्रीय संघ चालक, पूर्व मंत्री मनप्रीत सिंह बादल, विधायक रघबीर सिंह, पूर्व मंत्री कृष्णमूर्ति हुड्डा, भाजपा नेता रामकरण हुड्डा, महम विधायक बलराम दांगी, कांग्रेस नेता चक्रवर्ती शर्मा, मेयर फरीदाबाद प्रवीण जोशी, पहलवान योगेश्वर दत्त, अनिता कुंडू, कुलपति सुपवा अमित आर्य, हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन के प्रधान यशपाल पंवार, गुरुकुल झज्जर आचार्या विजय पाल, झोझु कलां आचार्या चांद सिंह, गुरुकुल चरखी दादरी आचार्या प्रवीन, नरेश जिंदल कुलपति लुवास विवि हिसार आदि पहुंचे।

अजय गौड़

भाजपा नेता अजय गौड़ ने कहा कि माता जी सादगी, सद्भाव और सेवा-भाव की प्रतिमूर्ति थीं। उनका जीवन दर्शन हम सभी में मानवीय मूल्यों को जीवंत रखेगा। ईश्वर उन्हें परम शांति दें और उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

आप नेता सुशील गुप्ता भी पहुंचे

आम आदमी पार्टी नेता सुशील गुप्ता ने कहा कि माता जी ने सदैव सादगी व सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दी। उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन समाज पर अमिट छाप छोड़ गया है। परिवार को ईश्वर संबल प्रदान करें।

पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपीचंद गहलौत सिंधु भवन पहुंचे

पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपीचंद गहलौत ने कहा कि परमेश्वरी देवी जी बहुत ही मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थी। उनका जीवन सादगी भरा रहा। उनके दिए संस्कारों की वजह से परिवार आगे बढ़ रहा है। उनके जाने से समाज को जो क्षति हुई है, उसकी कभी भरपाई नहीं हो सकती।

श्रद्धांजलि देते विधायक जगमोहन

विधायक करनाल जगमोहन ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी के जीवन से समाज को प्रेरणा मिलती रहेगी। माता परमेशवरी देवी ने समाज के लिए जो कार्य किए, उसको कभी भूलाया नहीं जा सकता। माता परमेशवरी देवी जी को परमात्मा अपने चरणों में स्थान दे। ऐसे महान व्यक्तित्व के जाने से समाज को काफी क्षति हुई है।

शोक व्यक्त करने पहुंची हस्तियां

धर्मपाल मलिक

विधायक बलराम दांगी

विधायक रघबीर सिंह

कुलपति सुपवा अमित आर्य

केहर सिंह

मदन चौहान

विधायक निखिल मदान

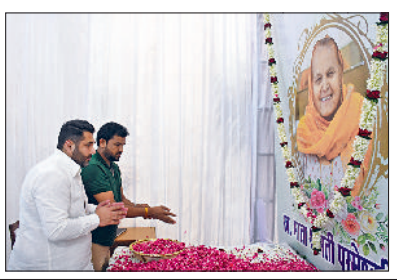

पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव

मेयर प्रवीण जोशी

सांसद सुरेंद्र नागर

तेजपाल तंवर

बिना लाइसेंस के प्रतिबंधित दवाएं बेचना अपराध

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रोहतक

■ नशीली दवाओं के दुरुपयोग व अवैध तस्करी के खिलाफ मनाया अंतरराष्ट्रीय दिवस

जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. तरन्नुम खान की देखरेख में प्राधिकरण द्वारा स्थानीय वार्ड नंबर-8 स्थित सैनी धर्मशाला व एसआरएस स्कूल में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया गया।

सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे जागरूक किया गया तथा उन्हें नशीली दवाओं के स्वास्थ्य पर होने वाले बुरे प्रभाव बारे जानकारी दी गई। नशीली दवाओं के सेवन से शारीरिक व वित्तीय नुकसान होता है। ऐसी दवाओं का उपयोग, बिक्री या खरीदने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत सजा का प्रावधान भी है। ऐसी दवाओं की बिक्री के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होती है और यदि कोई व्यक्ति लाइसेंस के बिना नशीली दवाओं की बिक्री करता है तो यह कानूनी अपराध है।

नालसा द्वारा हेल्पलाइन नंबर 15100 संचालित किया जा रहा है, जिस पर नागरिक फोन करके कभी भी कानूनी मुफ्त सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा नागरिक हर कार्यदिवस जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में आकर भी कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए हर जिला में ड्रग अवेयरनेस एंड वैलनेस नेविगेशन के रूप में कमेटी बनाई गई है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को भविष्य में कभी भी नशा न करने, दूसरों को नशा न करने देने व किसी को भी नशे के लिए प्रेरित नहीं करने की शपथ दिलवाई गई। न्यायिक परिसर में 12 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नागरिक अपने लंबे मुकदमों को रखकर सरल व शीघ्र न्याय प्राप्त कर सकते है। ज्यादा से ज्यादा संख्या में नागरिक अपने लंबित मुकदमों को राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवाएं। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ताओं से संजय कुमार धीमान, कविता, सिविल अस्पताल व पीजीआई की टीम में शामिल डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. पुरुषोत्तम व डॉ. अमनदीप ने लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का संदेश दिया।

जागरूकता अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रोहतक

हरियाणा एनसीबी प्रमुख व पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह, आईपीएस के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक पंखुरी कुमार के नेतृत्व में पूरे राज्य में नशे के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरियाणा एनसीबी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम जैसे जागरूकता रैलियां, नुक्कड़ नाटक, साइक्लोथन, मैराथन और स्कूल-कॉलेजों में संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए है। कार्यक्रम का नेतृत्व यूनिट इंचार्ज निरीक्षक धरमबीर सिंह ने किया। उन्होंने लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया और सभी को नशा न करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि 'नशे से दूरी, जीवन की गारंटी है' और यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि समाज की जिम्मेदारी भी है। निरीक्षक धरमबीर सिंह ने कहा कि नशा समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहा है और इसकी लत युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करता है, बल्कि उसके सामाजिक जीवन को भी पूरी तरह बर्बाद कर देता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

एसआरएस स्कूल में 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

रोहतक। एसआरएस स्कूल में 2 हरियाणा कन्या वाहिनी एनसीसी द्वारा दूसरे 10दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। यह शिविर 5 जुलाई तक चलाया जाएगा। इस शिविर में कुल 600 कैडेट भाग लेने वाले हैं। जिसमें 1 हरियाणा रोहतक एनसीसी के 100 और 4 हरियाणा एनसीसी कन्या वाहिनी एनसीसी के 145 कैडेट और लगभग 300 कैडेट 2 हरियाणा कन्या वाहिनी के राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय रोहतक, महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय रोहतक राजकीय महिला महाविद्यालय सांपला, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरखड़ा, पी एम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी के कैडेट सम्मिलित हैं। शिविर के प्रथम दिवस पर अपने प्रारंभिक संबोधन में कैंप कमांडेंट कर्नल अमित मैथ्यू ने सभी कैडेटों को टीम वर्क की भावना से सद्भावना के साथ रहने का और पूरे प्रशिक्षण में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। 26 जून को शिविर में उपस्थित सभी कैडेट को नशे का विरोध करने के लिए भारत सरकार द्वारा अनुमोदित साइट से शपथ भी ग्रहण करवाई गई। इस शिविर के आयोजन में गत शिविर की भांति प्रधानाचार्य डॉक्टर सुमित शर्मा का सहयोग सराहनीय रहा। गौरतलब है कि इस शिविर में सभी शिविरार्थी कैडेटों को सैन्य विषयों का विशेष कुशल प्रशिक्षण दिया जाएगा और उनमें राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना का विकास किया जाएगा।

सरकारी डॉक्टरों की टीम ने अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों को बताए जांच के नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶। महम

महम में स्वास्थ्य विभाग ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड कराने के लिए आरसीएच (प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य) आईडी दिखाना अनिवार्य होगा। जांच केंद्रों को यह आईडी अपने रिकॉर्ड में भी रखनी होगी। कोई भी डॉक्टर एमटीपी किट नहीं रख सकता।

- गर्भवती महिलाओं के अल्ट्रासाउंड के लिए आरसीएच आईडी जरूरी
- एमटीपी किट रखने पर होगी कानूनी कार्रवाई

उपमंडल नागरिक अस्पताल की एसएमओ डॉ. शिवानी ने अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों और निजी डॉक्टरों को यह जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी डॉक्टर अवैध रूप से एमटीपी किट नहीं रख सकता। निजी डॉक्टरों को पीएनडीटी एक्ट के बारे में जागरूक किया गया है। साथ ही बताया कि गर्भपात कराने की जानकारी देनी होगी। अल्ट्रासाउंड और गर्भपात कराने वाली महिलाओं की पूरी जानकारी उपमंडल नागरिक अस्पताल को देनी होगी। निजी अस्पतालों में जन्मे बच्चों की जानकारी भी सरकारी अस्पताल में देनी अनिवार्य है। सरकार ने यह कदम बिगड़ते लिंगानुपात को रोकने के लिए उठाया है। इससे कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगेगी। साथ ही समाज में लड़कों को लड़कियों से अधिक महत्व देने की मानसिकता को भी बदलने की आवश्यकता है।

लिंग जांच की सूचना देने वालों को दिया जाएगा इनाम

हेल्थ इंस्पेक्टर सुनील अहलावत ने कहा कन्या भ्रूण व लिंग जांच करना कानूनी अपराध है। अगर कोई व्यक्ति लिंग जांच करने वाले की जानकारी देता है तो उसका नाम गुप्त रखा जाएगा और सरकार की तरफ से इनाम दिया जाता है।

एचडी स्कूल के लक्ष्य बल्हारा का विश्व चैंपियनशिप और चीन में एशियन गेम्स के लिए हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रोहतक

बहुअकबरपुर स्थित एचडी पब्लिक स्कूल के होनहार छात्र लक्ष्य बल्हारा पुत्र सुनील निवासी बहुजमालपुर ने हाल ही में राजीव गांधी खेल परिसर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की अंडर-17 जूनियर बॉयज बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भाग लेकर 63 किलोग्राम भार वर्ग में पुणे के आर्मी कर्मचारी अमन सिवाच को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

यह प्रतियोगिता बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 19 से 25 जून तक आयोजित की गई, जिसमें पूरे भारत से कुल 32 टीमों के कुल 800 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से लक्ष्य बल्हारा का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। प्रतियोगिता के दौरान कोच जसबीर सिंह और स्कूल स्पोर्ट्स कोच रमा मैम का विशेष मार्गदर्शन रहा। लक्ष्य बल्हारा को अब थाईलैंड में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप और आगामी एशियन गेम्स (चीन में, जो प्रत्येक 4 वर्ष में होते हैं) के लिए चयनित किया गया है। यह विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। विद्यालय के डायरेक्टर सुरेंद्र फौगाट, अकादमिक डायरेक्टर कृष्णा बल्हारा फौगाट तथा प्रधानाचार्य दुलाल देब ने लक्ष्य को इस अद्वितीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।